भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3265
05 अगस्त, 2022 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

महर्षि सुश्रुत चिकित्सा प्रक्रिया के बारे में एम्स द्वारा अध्ययन

3265. श्री बिद्युत बरन महतो:
श्री रवि किशन:
श्री रविन्दर कुशवाहा:
श्री चैर्यशील संभाजीराव माणे:
श्री सुब्रत पाठक:
श्री मनोज तिवारी:
श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:
श्री सुधीर गुप्ता:
श्री प्रतापराव जाधव:
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने भारत में शल्य चिकित्सा के जनक महर्षि सुश्रुत द्वारा अपनाई जाने वाली चिकित्सा प्रक्रिया और वर्तमान शल्य चिकित्सा के सह-संबंध के बारे में एक सर्वेक्षण करने का प्रस्ताव किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस दिशा में क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) क्या उक्त मंत्रालय ने इस संबंध में कोई वित्तीय सहायता मांगी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का विचार महर्षि सुश्रुत के कार्यो पर और अधिक शोध करने और उसे देश में चिकित्सा पाठ्यक्रम में शामिल करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ड.) उक्त सर्वेक्षण/शोध के कब तक पूरा होने की संभावना है ?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (डॉ. भारती प्रविण पवार)

(क) से (ग): एम्स, नई दिल्ली ने अपने दैनांदिन प्रक्रिया में कई शल्य चिकित्साओं को अपनाया है जिन्हें मूल रूप से महर्षि सुश्रुत द्वारा बताया गया था। साथ ही, एम्स, नई दिल्ली के डिपार्टमेंट ऑफ प्लास्टिक,

रिकंस्ट्रक्टिव एंड बर्न सर्जरी ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के साइंस एंड हेरीटेज रिसर्च इंसिएटिव प्रोग्राम (एसएचआरआई) के तहत "सुश्रुत – सिस्टमेटिक अंडरस्टैंडिंग ऑफ सुश्रुतन हेरीटेज बॉइ रिसर्च एंड यूज ऑफ टेक्नोलोजी एप्लीकेशन" नामक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है।

(घ) और (ड.): भारतीय आयुर्विज्ञान आयोग के पास ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।

*****